

जय आद्या शक्ती । मां जय आद्या शक्ती ।^२
अखण्ड ब्रह्मांड निपाव्या । पडवे पंडीत मां ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ धृ ॥

द्वितिया बे स्वरुप । शिवशक्ती जाणुं ।
ब्रह्मा गणपती गाये । हर गाये हर मां ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ १ ॥

तृतीया त्रणस्वरुप । शिव त्रिभुवन मा बेठा ।
त्रयस्थ की त्रिवेणी । तू त्रिवेणी मां ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ २ ॥

चौथे चतुरा महालक्ष्मी मां । सचराचर वाप्या ।
चार भुजा चौदिशा । प्रगट्या दक्षिण मां ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ ३ ॥

पंचमी पंचऋषी । पंचमी पंच तत्त्वत्यां सोहिये ।
पंच तत्त्व सोहिये । पाँचे तत्वो मां ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ ४ ॥

षष्ठी तु नारायणी । महीषासुर मार्यो ।
नरनारी ना रुपे । वाप्या सर्वे मां ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ ५ ॥

सप्तमी सप्तपाताल । सावित्री सन्ध्या ।
गौ गंगा गायत्री । गौरी गीता मां ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ ६ ॥

अष्टमी अष्टभूजा । आई आनंदा ।
सुरनर मुनिवर जन्म्या । देव दैत्यो मां ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ ७ ॥

नवमी नवकुल नाग । सेवे नवदुर्गा
नवरात्रीना पूजन । शिवरात्रीना अर्चन । कीधा हर ब्रह्मा ।
ॐ जयों जयों मां जगदंबे॥ ८ ॥